भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2172

10 दिसंबर, 2021 को उत्तर के लिए

रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना

2172. सुश्री देबाश्री चौधरी :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर सैन्य हार्डवेयर के शीर्ष आयातकों में से एक है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान विभिन्न देशों से देश-वार कितने रक्षा उपकरणों का आयात किया गया है ;

(ग) क्या सरकार ने रक्षा क्षेत्र में विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना (डीटीआईएस) तैयार की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या इस कदम से सैन्य उपकरणों के आयात में कमी आएगी और देश को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त योजना को कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) ऐसी कोई आधिकारिक सूचना नहीं है कि भारत वैश्विक रूप से सैन्य हार्डवेयर के शीर्ष आयातकों में से एक है क्योंकि कोई भी देश रक्षा उपस्करों के अपने आयात के बारे में अधिकारिक सूचना प्रकट नहीं करता है ।

(ख) गत तीन वित्तीय वर्षों (2018-19 से 2020-21) के दौरान सशस्त्र सेनाओं के रक्षा उपस्करों की पूंजीगत अधिप्राप्ति के लिए 59 संविदाओं पर हस्ताक्षर किए गए हैं । ऐसे देश जिनसे रक्षा उपस्करों को आयात किया जा रहा है उनमें रूस, यूएसए, इजरायल, फ्रांस इत्यादि सम्मिलित हैं ।

(ग) भारत सरकार द्वारा देश में रक्षा परीक्षण अवसंरचना में अंतराल को कम करके एमएसएमई और स्टार्ट अप्स की भागीदारी पर विशेष बल देने के साथ स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ाने के लिए रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना (डीटीआईएस) प्रारंभ की गई है । इस योजना का उद्देश्य उस रक्षा परीक्षण अवसंरचना को स्थापित करना है जो घरेलू रक्षा उद्योग को सुगमता प्रदान करेगी और उनकी परीक्षण आवश्यकताएं पूरी करेगी ।

(घ) रक्षा परीक्षण अवसंरचना प्रायः पूंजी-प्रधान होती है जिसमें निरंतर उन्नयन अपेक्षित होता है और यह घरेलू परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने के लिए विशिष्ट रक्षा औद्योगिक यूनिटों हेतु आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है । रक्षा परीक्षण अवसंरचना की स्थापना करने से सुगम पहुंच बनेगी और इस प्रकार से घरेलू रक्षा उद्योग की परीक्षण आवश्यकताएं पूरी होंगी ।

(ड.) डीटीआईएस योजना को मार्च, 2025 तक की कार्यान्वयन तारीख के साथ पांच वर्षों के लिए संचालित किया जाएगा ।

*****